वर्ष-7, अंक 27, जनवरी-मार्च 2021

तमसो मा ज्योतिर्गमय

ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान

MULTI DISCIPLINE RESEARCH JOURNAL
AN INTERNATIONAL REFEREED QUARTERLY RESEARCH JOURNAL
A SCHOLARLY PEER REVIEWED JOURNAL
www.vaaksudha.com

वर्ष : 7 • अंक : 27 • जनवरी-मार्च 2021 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

प्रो. राजवीर शर्मा

पूर्व उपाचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या-09555222747, 9267944100, 9555666907

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**

*** शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. कमला उपाध्याय**
(विभागाध्यक्षा, संस्कृत, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. मनीष सिन्हा**
(अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. देवेन्द्र नाथ ओझा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज, एण्ड रिसर्च, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, नोएडा)
- **डॉ. राजमोहिनी सागर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **डॉ. के.के. झा**
(सीनियर लेक्चरर, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-शास्त्र, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

Kawal Malik

Mob. 9818455819

J.D. Computers

All Types of Hindi, English, Sanskrit Typing,
Job Work and Printing

2157, Outram Line, Near Canara Bank,
Kingsway Camp, G.T.B. Nagar, Delhi-110009

Email : malikkawal@gmail.com

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 9

लक्ष्मीकांत वर्मा की आलोचनात्मक एवं रचनात्मक दृष्टि : नयी कविता आन्दोलन के विशेष संदर्भ में 10
डॉ. आशुतोष कुमार सिंह

जैनाचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिन्तन 13
डॉ. शंकर नाथ तिवारी

भूमंडलीकरण के समय में आदिवासी समाज 19
शाहीन बानो

स्वप्नवासवदत्तम् में चित्रित नारी पात्र 23
डॉ. सन्ध्या राठौर

राग संगीत का मुख्य आधार है 29
डॉ. शिखा दुबे

प्रगतिशील कवियों का प्रकृति के साथ नया मानवीय रिश्ता 31
डॉ. हरेन्द्र सिंह

हिंदी कहानी में किन्नर समाज की व्यथा 39
डॉ. धनंजय कुमार दुबे

कोरोनाकाले संस्कृतस्य उपादेयता 47
डा. सारुल तिवारी

धूमिल की कविता में समकालीन यथार्थ 52
डॉ. अनिल कुमार

राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम और छायावाद 60
डॉ. रंजीत सिंह

नई शिक्षा नीति और हिन्दी भाषा 65
डॉ. गोपेश्वर दत्त पाण्डेय

प्रसाद जी की 'कामायनी' में रूपक तत्व 69
डॉ. तृप्ता

प्रमुख संस्कृत नाटकों में विदूषक का वैशिष्ट्य ... 74
डॉ. वन्दना सूरज भान

21वीं सदी के प्रथम दशक के सरोकार और गिरिराज किशोर की कहानियाँ 83
डॉ. महावीर सिंह वत्स

लघु फिल्म (Short Movie) जनसंचार का नया आयाम 88
डॉ. चित्रा सिंह

लोक साहित्य में मानवीय मूल्य के विविध रूप .. 95
डॉ. राम किशोर यादव

भारत की पाठ्यपुस्तक केन्द्रित शिक्षण-शास्त्रीय पद्धति : एक ऐतिहासिक संदर्भ 100
डॉ. आशीष रंजन

आचार्य मोतीलाल शर्मा की अपौरुषेयता विषयक अवधारणा 107
माधव गोपाल

सारस्वतव्याकरणस्य वैशिष्ट्यम् : सुबन्तसन्दर्भे .. 110
वेदमित्र आर्यः

नौटंकी कला : एक परिचय 117
डॉ. अनिरुद्ध कुमार सुधांशु

श्रीप्रकाश मिश्र के उपन्यासों में अभिव्यक्त उत्तर-पूर्व की संस्कृति 123
प्रो. रसाल सिंह / सुमन

ग्रामीण क्षेत्र में परिवर्तन के मुख्य कारकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन 128
डॉ. शर्मिला कुमारी / दीन दयाल वर्मा

कविता और पूंजीवाद 132
डॉ. विकेश कुमार मीना

Year - 5 | Issue - 19 | January 2021 | ISSN 2456-0898

GLOBAL THOUGHT

(ग्लोबल थॉट)

(MULTI DISCIPLINE MULTI LANGUAGE RESEARCH JOURNAL)

(An International Peer Reviewed Refereed Quarterly Research Journal)

सम्पादकीय

लगभग 50 दिनों के बाद दिल्ली फिर से अनलॉक हो रही है। **वाक् सुधा** का **जनवरी-मार्च 2021** का अंक अचानक अप्रैल में लॉकडाउन लगने के कारण छप नहीं सका था। जिसको अब छपने के भेजा जा रहा है। इस समय समूचे देश में कोरोना संक्रमण ही रफ्तार धीमी पड़ रही है। नवम्बर-दिसम्बर 2020 के बाद हम सबने यह मान लिया था कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई को हम सबने जीत लिया है। परन्तु अप्रैल-मई 2021 में देश ने कोरोना का जो रौद्ररूप देखा, उसको शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। यह बात सही है कि कोई भी आपदा (महामारी) कह कर नहीं आती। सब कुछ इतना जल्दी और अचानक होता है कि संभलने का अवसर भी नहीं मिलता। वहीं कोरोना की दूसरी लहर में देखने को मिला। देश की राजधानी दिल्ली में भी कोरोना की बेकाबू रफ्तार ने भीषण कहर बरपाया है। बहुत दिनों तक इस कोरोना काल की वीभत्स और डरावनी तस्वीरें हम सबके मानस पटल छाई रहेंगी। इस कठिन समय में ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन सिलेंडर से लेकर जीवन रक्षक दवाओं तक की कालाबाजारी और जमाखोरी हुई। एंबुलेंस से लेकर प्राइवेट अस्पतालों तक में मानवीय संवेदनाओं को मरते हुए हम सबने देखा। देश की कराहती स्वास्थ्य सेवाओं को देखकर लगा कि अभी भोजन, वस्त्र और आवास के बाद स्वास्थ्य को प्राथमिकता सूची में शामिल करना ही होगा। वैसे इतने बड़े देश में कहीं न कहीं कोई आपदा आती ही रहती है। इसी अवधि की बात करूं तो अरब सागर में चक्रवाती तूफान 'तौकते' ने गुजरात और मुम्बई में भीषण तबाही मचाई तो 'यास' ने ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटवर्ती जिलों को तहस-नहस कर दिया। लेकिन कोरोना का संकट अभूतपूर्व है। कोरोना के विरुद्ध देश में जो इस समय लड़ाई चल रही है उसमें प्रत्येक देशवासियों को मिलकर लड़ना होगा। कुछ लोगों ने कोरोना की वैक्सीन को लेकर भ्रम फैला दिया जिस कारण वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी रही लेकिन आज हर किसी ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि वैक्सीन ही एक मात्र सुरक्षा कवच है। इसलिए वाक् सुधा प्रकाशन यह आग्रह करता है कि अपनी बारी आने पर वैक्सीन जरूर लगवाएं।

अंत में एक बात विशेष रूप से यह कहना चाहता हूं कि एक प्रमाणिक और प्रतिष्ठित शोध पत्रिका के रूप में हमारा कर्तव्य है कि समाज और देश के सामने नए नवाचार और शोध को लाएं। शिक्षा, ज्ञान और सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करें। कोरोना काल में अन्य क्षेत्रों की तरह प्रकाशन का क्षेत्र बहुत ही कठिन दौर से गुजर रहा है। वाक् सुधा की आर्थिक स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। इसलिए कोरोना काल और उसके पाश्चात्य सहयोग और सहायता की जरूरत वाक् सुधा को भी है। इसलिए हमारे सुधी पाठक और शोध आलेख लिखने वाले शोधार्थी यथासंभव मदद करेंगे।

मुझे पूरा विश्वास है कि भारत अपनी पूरी ताकत के साथ कोरोना से लड़ते हुए इस पर विजय प्राप्त करेगा। पूरे भारतवासी अपने धैर्य, संयम और साहस के साथ कोरोना को परास्त करेगा। देशभर के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त टीकाकरण किया जा रहा है इसलिए बार-बार आप सबसे निवेदन करता हूं कि आपकी बारी आए तो टीका जरूर लगवाएं। वाक् सुधा के अप्रैल-जून 2021 के अंक पर भी काम चल रहा है। स्थिति सामान्य रही तो उस खास अंक का प्रकाशन समय पर होगा।

– राजेश कुमार
उपसंपादक